दादी प्रकाशमणि जी से दृष्टि लेते हुए भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी।

दादी जी से स्नेह मुलाकात करते हुए तत्कालिन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी,ज्वाइंट चीफ ऑफ ब्रह्माकुमारीज़।

तत्कालिन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से मिलते हुए दादी प्रकाशमणि जी। साथ हैं ब्र.कु. मोहिनी दीदी, ब्र.कु. मुन्नी दीदी, तथा ब्र.कु. आशा दीदी।

कार्यक्रम में दादी प्रकाशमणि जी से मिलते हुए तत्कालिन उपराष्ट्रपति आर.वेंकेटरमन।

दादी जी के साथ जी.सी.बी.डब्लयू कॉन्फ्रेंस का दीप प्रज्वलित करते हुए सैफरनचक अंडर सेक्रेटरी जनरल ऑफ यू.एन, भारत के तत्कालिन प्रधानमंत्री राजीव गांधी तथा अन्य।

दादी जी के साथ कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करते हुए तत्कालिन भारत प्रधानमंत्री पी.वी नरसिम्हा राव, राज्यस्थान के राज्यपाल डॉ. चेन्ना रेड्डी तथा अन्य।

आध्यात्मिक सेवाओं के मुख्य मुकाम

1937 : ब्रह्माकुमारी संस्था की स्थापना का समय। इस समय दादी जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन ईश्वरीय सेवार्थ समर्पित किया।

1954 : ब्रह्माकुमारी संस्था का प्रतिनिधि मंडल दादी जी के नेतृत्व में 'द्वितीय विश्व धर्मसभा' में भाग लेने जापान गया। छः मास के इस प्रवास के दौरान हांगकांग, सिंगापुर, इंडोनेशिया इत्यादि देशों में जाकर वहाँ के लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान व राजयोग मेडिटेशन का प्रशिक्षण दिया।

1977 : विश्व के पांचों महाद्वीपों में 'पवित्रता के द्वारा विश्व शांति की आशा' कार्यक्रम द्वारा विश्व के राजनीतिज्ञों, धर्म नेताओं तथा अनेक संस्था के प्रमुखों को परमात्म संदेश प्रदान किया गया।

1978 : 'वर्ल्ड कॉन्फ्रेन्स ऑन फ्यूचर मेनकाइंड' का आयोजन दिल्ली में हुआ जिसका उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति बी.डी. जत्ती ने किया।

1980 : 'वर्ल्ड कॉन्फ्रेन्स ऑन ह्यूमन सरवाइवल' का आयोजन बैंगलोर विधानसभा के बैंक्वेट हॉल में किया गया।

1981 : ब्रह्माकुमारी संस्थान को संयुक्त राष्ट्र संघ में गैर सरकारी संगठन(एन.जी.ओ.) के रूप में शामिल किया गया। इसी वर्ष 'द ओरिजन ऑफ पीस' कॉन्फ्रेन्स का आयोजन नैरोबी में किया गया।

1983 : प्रथम 'यूनिवर्सल पीस कॉन्फ्रेन्स' का आयोजन आबू पर्वत में किया गया जिसका उद्घाटन धर्मगुरू दलाई लामा ने किया।

1984 : अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप सहित 13 देशों में दादी जी ने दौरा किया और अनेक अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्सेज़ को सम्बोधित किया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पीस मेडल से संस्था को सम्मानित किया गया। द्वितीय 'यूनिवर्सल पीस कॉन्फ्रेन्स' का उद्घाटन गुजरात के तत्कालीन राज्यपाल आर.के. त्रिवेदी ने किया।

1985 : तृतीय 'यूनिवर्सल पीस कॉन्फ्रेन्स' का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन राजस्थान के राज्यपाल ओ.पी. मेहरा ने किया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस वर्ष को 'ईयर ऑफ यूथ' घोषित करने पर संस्था द्वारा 'भारत यूनिटी यूथ फेस्टिवल तथा युवा पदयात्रा' का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति महामहिम ज्ञानी जैल सिंह द्वारा किया गया।

1986 : संस्था का गोल्डन जुबली वर्ष मनाया गया। चौथे 'यूनिवर्सल पीस कॉन्फ्रेन्स' का आयोजन किया गया। 88 देशों में 'मिलियन मिनट्स ऑफ पीस' कार्यक्रम की लॉन्चिंग की गई।

1987 : संस्था को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 'पीस मैसेंजर अवॉर्ड' प्रदान किया गया। संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेट्री जनरल ने दादी जी को अवॉर्ड भेंट किया। प्रथम 'इंटरनेशनल होलिस्टिक हेल्थ कॉन्फ्रेन्स' का आयोजन आबू पर्वत में किया गया।

1988 : ग्लोबल कोऑपरेशन फॉर ए बेटर वर्ल्ड' नामक 2 साल के अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग की गई जिसके अंतर्गत 122 देशों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'ऑल इंडिया स्पीरिचुअल कॉन्फ्रेन्स' का आयोजन आबू पर्वत में किया गया जिसका उद्घाटन बद्रिकाश्रम के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी शांतानंद सरस्वती ने किया।

1989 : अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स 'ग्लोबल कोऑपरेशन फॉर ए बेटर वर्ल्ड' का आयोजन आबू पर्वत में किया गया जिसका उद्घाटन उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सी. राय ने किया। 'ऑल इंडिया मोरल अवेकनिंग यूथ कैम्पेन' का आयोजन दिल्ली में किया गया जिसका उद्घाटन उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्रा ने किया।

1990 : द्वितीय 'ग्लोबल कोऑपरेशन फॉर ए बेटर वर्ल्ड' नामक अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा किया गया। तृतीय 'इंटरनेशनल होलिस्टिक हेल्थ कॉन्फ्रेन्स' का आयोजन बेलगाम में किया गया। 'ऑल इंडिया एन्वायरमेंट अवेयरनेस कैम्पेन' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में दादी जी के साथ प्रेसिडेंट ऑफ यू.एन. जनरल एसेंबली एस.आर. इन्सानली तथा वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा।

दादी प्रकाशमणि जी को पीस मेडल से सम्मानित करते हुए यू.एन. सेक्रेट्री जनरल डॉ. परवेज़ डेक्यूलर।

आध्यात्मिक कार्यक्रम में दादी प्रकाशमणि के साथ हैं काशी के जगद्गुरु, राजयोगिनी दादी जानकी तथा अन्य।

आध्यात्मिक शक्ति दादी प्रकाशमणि जी से मिलते हुए भारत रत्न से सम्मानित मदर टेरेसा।

For Online Transfer

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan, Talhati
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
ACCOUNT NO:- 7482096871,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on

E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org

E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

सम्पर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088

Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये

Website: www.omshantimedia.org